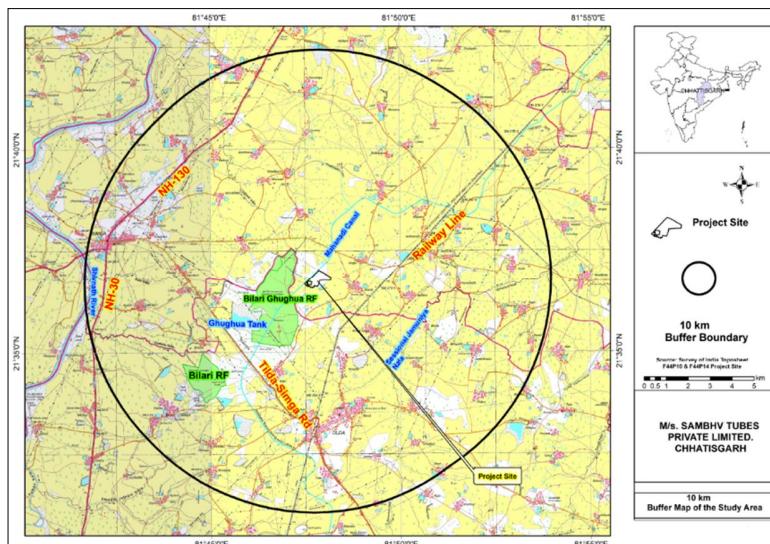


जन सुनवाई के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट का सारांश

ग्रीनफील्ड स्टील परियोजना जिसमें डी.आर.आई आधारित स्पंज आयरन (7,00,000 टी.पी.ए), आयरन और पेलेट (12,00,000 टी.पी.ए), इंडक्शन फर्नेस और ई.ए.एफ (10,45,000 टी.पी.ए) के साथ एम.एस बिलेट, 10,00,000 टी.पी.ए के रीरोल्ड स्टील उत्पाद (हॉट चार्जिंग के माध्यम से 5,50,000 टी.पी.ए और कोल गैसीफायर पर आधारित रीहीटिंग फर्नेस के माध्यम से 4,50,000 टी.पी.ए जिसमें PGP 25,000 Nm³/hr, कोल्ड रोल्ड उत्पाद (6,00,000 टी.पी.ए), स्टील ट्यूब/पाइप और अन्य प्रोफाइल (10,00,000 टी.पी.ए), स्ट्रिप/कॉइल की स्थापना के लिए पिकलिंग और एनीलिंग (10,00,000 टी.पी.ए), गैल्वेनाइज्ड स्टील (3,00,000 टी.पी.ए), SAF 2x9 MVA के साथ फेरो अलॉय प्लांट, Si-Mn#38,000 टी.पी.ए या Fe-Mn#48,000 टी.पी.ए या Fe-Si#21,000 टी.पी.ए और/या पिंग आयरन#76,000 टी.पी.ए का उत्पादन करने के लिए, कोल वॉशरी (8,00,000 टी.पी.ए थ्रूपुट), ऑक्सीजन प्लांट (45,000 Nm³/hr), 85 MW का कैप्टिव पावर प्लांट (WHRB के माध्यम से 60 MW और FBC के माध्यम से 25 MW) और 1,00,000 ईंट/दिन फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट यूनिट शामिल है।

स्थित

गांव -केसदा तहसील-सिमगा, जिला - बलौदाबाजार भाटापारा, छ.ग.-493113



प्रस्तुतकर्ता

M/s Sambhv Tubes Private Limited

पंजीकृत कार्यालय: 5वीं मंजिल, कार्यालय संख्या 501, हर्षित कॉर्पोरेट, आमनाका, रायपुर, (छ.ग.),
492001

विषय-वस्तु

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.0	परियोजना विवरण	3-5
2.0	पर्यावरण का विवरण	6-8
3.0	प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय	10
4.0	पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम	11
5.0	अतिरिक्त अध्ययन	12
6.0	परियोजना लाभ	12
7.0	पर्यावरण प्रबंधन योजना	13

1.0 परियोजना विवरण

कंपनी M/s Sambhv Tubes Private Limited ने एक ग्रीनफाइल्ड प्रोजेक्ट के लिए प्रस्ताव गांव-केस्दा, तहसील- सिंगमा, जिला- बलौदाबाजार भाटापारा, छत्तीसगढ़ दिया है जिसमें नई विनिर्माण सुविधाएं स्पंज आयरन, आयरन और पेलेट्स, एम.एस. बिलेट्स, स्टील रीरोल्ड उत्पाद, कोल्ड रोल्ड उत्पाद, ई.आर.डब्ल्यू पाइप्स, एचआरएपी स्टील, गैल्वेनाइज्ड स्टील, फेरो एलोय/पिंग आयरन, कोल वॉशरी ऑक्सीजन प्लांट और फ्लाई ऐश ब्रिक प्लांट साथ ही वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर (डब्ल्यूएचआरबी) और फ्लूइडाइज्ड बेड कम्बशन (एफबीसी) बॉयलर के साथ स्टीम टर्बाइन और जेनरेटर और एक प्रोड्यूसर गैस प्लान से युक्त कैप्टिव पावर जनरेशन प्लांट के उत्पादन के लिए है।

परियोजना स्थल गाँव-केस्दा, तहसील-सिंगमा, जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.) 493113 में स्थित है। परियोजना 41.25 हेक्टेयर में प्रस्तावित है। जिसमें से 34.65 हेक्टेयर भूमि कंपनी के कब्जे में है, 4.51 हेक्टेयर भूमि निजी भूस्वामियों के साथ खरीद के समझौते के तहत है और 2.09 हेक्टेयर सरकारी भूमि परियोजना स्थल में शामिल है और इसे छत्तीसगढ़ सरकार से एसआईपीबी के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। परियोजना स्थल जुड़ी सड़क के माध्यम से टिल्ड सिंगमा से सटा हुआ है जो उत्तर-पूर्व दिशा में 1.15 किमी दूर है। इसके अलावा यह उत्तर दिशा में SH-10 से जुड़ रहा है। निकटतम रेलवे स्टेशन हथबंध रेलवे स्टेशन है, जो परियोजना स्थल से पूर्व उत्तर-पूर्व दिशा में लगभग 4.8 किमी दूरी पर स्थित है। तिल्दा नेवरा शहर परियोजना स्थल से दक्षिण दिशा की ओर लगभग 6.3 किमी की दूरी पर स्थित है और केसदा गांव पूर्व दिशा की ओर 0.5 किमी की दूरी पर है। निकटतम हवाई अड्डा बिलासा देवी केवट हवाई अड्डा बिलासपुर है जो परियोजना स्थल से उत्तर पूर्व की ओर लगभग 52.2 किमी दूर है। महानदी नहर परियोजना स्थल से पश्चिम दिशा की ओर 0.023 किमी की दूरी पर है और शिवनाथ नदी पश्चिम दिशा की ओर 9.5 किमी की दूरी पर है। सिलतरा सीपीए परियोजना स्थल से दक्षिण-पश्चिम दिशा में 30 किमी दूर है। संयंत्र क्षेत्र में कोई नदी/नहर नहीं है। परियोजना क्षेत्र में कोई गांव या मानव बस्ती नहीं है। क्षेत्र की जलवायु अत्यधिक तापमान परिवर्तन के साथ शुष्क है। कोई भी राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य संयंत्र क्षेत्र के 10 किमी के भीतर नहीं आता है।

ToR (शर्तों का संदर्भ) का आवेदन MoEF&CC के ऑनलाइन पोर्टल पर प्रस्ताव संख्या- IA/CG/IND1/497896/2024, दिनांक 26.11.2024 के तहत प्रस्तुत किया गया। परियोजना पर 5 से 6 दिसंबर, 2024 की 70वीं ई.ए.सी बैठक में विचार किया गया और ToR फाइल संख्या -IA-J-11011/403/2024-IA-II(IND-I), दिनांक 5 जनवरी, 2025 को प्रदान किया।

यह परियोजना ईआईए अधिसूचना, 2006 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार, अनुसूची 3 (a) (Metallurgical industries (ferrous & non ferrous)), 2(a) (Coal Washery), 2(b) (Mineral Beneficiation) और 1(d) (Power Plants) के तहत श्रेणी 'A' में आती है और इसे MoEF&CC, नई दिल्ली के EAC (इंडस्ट्री-I) द्वारा मूल्यांकित किया जाएगा।

प्रस्तावित परियोजना के लिए कुल उपलब्ध भूमि 41.25 हेक्टेयर है। कुल 33.94% क्षेत्र को ग्रीनबैल्ट क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। MoEF&CC मानदंडों के अनुसार पेड़ों की घनत्व 2500 पेड़/हेक्टेयर होगी। @2500 पेड़/हेक्टेयर की दर से लगाए जाने वाले कुल पेड़ = $2500 * 14 = 35,000$ संख्या। 90% जीवित रहने की दर को ध्यान में रखते हुए परियोजना स्थल के भीतर कुल 39,000 पेड़ लगाए जाने हैं।

परियोजना प्रमोटर:-

M/s Sambhv Tubes Private Limited का प्रबंधन निदेशक श्री सुरेश कुमार गोयल, श्री विकास कुमार गोयल द्वारा किया जाएगा। वे अपने संबंधित परिचालन क्षेत्रों के लिए अपने अनुभवी और जानकार कर्मचारियों के साथ जुड़े रहेंगे। निदेशकों को स्टील प्लांट चलाने का व्यापक अनुभव है।

तालिका 1: प्रस्तावक जानकारी

क्रमांक	नाम	डीआईएन
1	श्री सुरेश कुमार गोयल	00318141
2	श्री विकास कुमार गोयल	00318182

भूमि	41.25 हेक्टेयर
बिजली	कुल बिजली की आवश्यकता 150 मेगावाट होगी, जिसमें से 85 मेगावाट कैप्टिव पावर प्लांट से पूरी की जाएगी और 65 मेगावाट स्टेट ग्रिड (CSPDCL) से प्राप्त की जाएगी। इसके अलावा आपातकालीन बैकअप के लिए कुल 4000 kVA डीजी सेट प्रस्तावित हैं।
जल	स्पंज आयरन और स्टील निर्माण प्रक्रिया में किसी प्रक्रिया जल की आवश्यकता नहीं होती है। पानी का उपयोग केवल शीतलन उद्देश्य के लिए किया जाएगा। प्रतिदिन ताजे पानी की आवश्यकता 4708 के.एल.डी होगी। पानी का स्रोत शिवनाथ नदी पर तुलसी पोसरी एनीकट होगा, जो औद्योगिक उद्देश्य के लिए होगा, जल संसाधन विभाग द्वारा पानी के आवंटन की स्वीकृति के लिए आवेदन पत्र जमा करा दिया गया है।

2.0 आधारभूत पर्यावरण का विवरण

आधारभूत पर्यावरण अध्ययन 1 मार्च 2024 से 31 मई 2024 (मानसून-पूर्व) की अवधि के लिए किया गया है। आधारभूत डेटा मे. जी.आर.सी इंडिया ट्रेनिंग एंड एनालिटिकल लैबोरेटरी, नोएडा द्वारा एकत्र किया गया, जिसे एन.ए.बी.एल द्वारा मान्यता प्राप्त और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC), नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है।

परिवेशी वायु गुणवत्ता का सारांश

- परिणामों की तुलना पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC) के अनुसार परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी के मानक से की गई।
- अध्ययन के दौरान PM10 48.7 से $77.5 \mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में देखा गया। PM10 की अधिकतम सांद्रता बिनिका गाँव के पास पाई गई।
- PM2.5 27.1 से $42.81 \mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में देखा गया। PM2.5 की अधिकतम सांद्रता सिनोथा गाँव के पास पाई गई।
- SO₂ सांद्रता 5.0 से $10.5 \mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में देखी गई, जो मानक सीमा के भीतर है।
- NO₂ सांद्रता 10.6 से $21.7 \mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में देखी गई, जो मानक सीमा के भीतर है।
- CO के लिए भी निगरानी और विश्लेषण किया गया। CO के लिए परिणाम मानदंडों के भीतर पाया गया और 220 से $570 \mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में देखा गया, जो मानक सीमा के भीतर है।

भूजल गुणवत्ता का सारांश

- pH 7.16 से 7.85 की सीमा में देखा गया जो वांछनीय मानदंडों को पूरा करता है।
- कुल धुलित ठोस 380 से 530 mg/l की सीमा में दर्ज किया गया, जो तिल्दा कस्बे के पास बोरवेल के पानी में न्यूनतम और झिरिया गाँव के पास बोरवेल के पानी में अधिकतम था।
- कुल कठोरता 240-298 mg/l की सीमा में थी, जो तिल्दा कस्बे के पास बोरवेल के पानी में न्यूनतम और रिंगनी गाँव के पास बोरवेल के पानी में अधिकतम थी।
- कुल क्षारीयता 176-265 mg/l की सीमा में पाई गई, जो तिल्दा कस्बे के पास बोरवेल के पानी में न्यूनतम और झिरिया गाँव के पास बोरवेल के पानी में अधिकतम थी।
- परियोजना स्थल और ओटगन गाँव के पास बोरवेल के पानी में न्यूनतम और केसटा गाँव के पास बोरवेल के पानी में अधिकतम के साथ 0.02-0.08 mg/l की सीमा में लौह पाया गया।
- माइक्रोबायोलॉजिकल मापदंडों के रूप में एमपीएन विश्लेषण भी किया गया और यह शून्य पाया गया।

सतही जल गुणवत्ता का सारांश

निम्नलिखित विवरण नमूनों के विश्लेषण पर आधारित है:

- विश्लेषण के दौरान नमूनों का pH 7.43 से 7.89 की सीमा में पाया गया।
- सतही जल के नमूने के लिए कुल घुलित ठोस TDS विश्लेषण भी किया गया, और यह 210 से 430 mg/l की सीमा में पाया गया।
- विश्लेषण के दौरान मापा गया DO 5.3 से 6.6 mg/l की सीमा में पाया गया।
- विश्लेषण के दौरान मापा गया COD 9.8 से 28 mg/l की सीमा में पाया गया।
- विश्लेषण के दौरान मापा गया BOD 2.9 से 3.8 mg/l की सीमा में पाया गया।
- अध्ययन अवधि के दौरान COD और BOD विश्लेषण भी किया गया, और यह पीने के पानी के लिए वांछनीय मान से अधिक पाया गया।
- इस सतही जल नमूने के लिए MPN परीक्षण भी किया गया, और यह सकारात्मक पाया गया। यह सतही जल निकाय में मल संदूषण की ओर संकेत करता है।

मिट्टी की गुणवत्ता का सारांश

मिट्टी पौधों की वृद्धि के लिए पोषक तत्वों की आपूर्ति का माध्यम है। पोषक तत्व पौधों को एक निश्चित pH पर उपलब्ध होते हैं और मिट्टी का pH इसमें हवा, पानी या ठोस अपशिष्ट या इन सभी के द्वारा प्रदूषकों के जुड़ने से परिलक्षित हो सकता है। मिट्टी की विशेषताओं की आधारभूत स्थिति स्थापित करने के लिए, 05 नमूना स्थानों से मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए। विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि मिट्टी क्षारीय प्रकृति की है क्योंकि pH मान 6.67 से 7.43 तक है, आयरन 45.8 से 63.7 mg/kg तक है, थोक घनत्व 1.33 से 1.38 ग्राम/cc है, जल धारण क्षमता 27.1 से 33.6 है, कुल नाइट्रोजन (N के रूप में) 31 से 45 mg/kg है, कुल फॉस्फोरस (P के रूप में) 3.4 से 5.8 mg/kg है और उपलब्ध पोटेशियम (K के रूप में) 57 से 66 mg/kg है। परियोजना स्थल पर मिट्टी की बनावट चिकनी दोमट है।

शौर की गुणवत्ता का सारांश

कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में देखे गए शौर के मान मुख्य रूप से वाहनों के आवागमन और अन्य मानवजनित गतिविधियों के कारण हैं। नीचे दी गई तालिका में दर्शाए अनुसार विभिन्न स्थानों पर आधारभूत शौर स्तरों की निगरानी की गई है और नीचे दिए गए चित्र में ग्राफिकल प्रतिनिधित्व दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में हवा के चलने और पक्षियों के चहचहाने से विशेष रूप से रात के समय शौर के स्तर में वृद्धि होगी। अध्ययन अवधि के दौरान अध्ययन क्षेत्र के आसपास दिन के शौर के स्तर का आकलन 46.5 से 63.5 dB (A) के बीच है। जबकि रात के समकक्ष 36.8 से 52.6 dB (A) की सीमा में थे। परिणामों से यह देखा जा सकता है कि दिन के समकक्ष और रात के समकक्ष आवासीय क्षेत्रों के परिवेशी शौर मानकों के भीतर थे।

अध्ययन क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ

अध्ययन क्षेत्र को प्रस्तावित परियोजना स्थल के आसपास 10 किमी के दायरे में एक क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया था। अध्ययन क्षेत्र में बलौदाबाजार ज़िले के 50 जन गणना गांव शामिल हैं, जिनकी कुल जनसंख्या 815533 है।

क्रम	विवरण	सं./%
1	कुल जनसंख्या	815533
2	घरों की संख्या	163881
3	औसत परिवार का आकार	4.98
4	प्रति गाँव घरों की औसत संख्या	3278
5	प्रति गाँव औसत जनसंख्या	16311
6	लिंग अनुपात - प्रति हजार पुरुषों पर महिलाएँ	1001
7	कुल जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या का प्रतिशत	49.98
8	कुल जनसंख्या में महिला जनसंख्या का प्रतिशत	50.02
9	कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति जनसंख्या का प्रतिशत	20.97
10	कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत	11.82
11	कुल जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत	59.39
12	कुल जनसंख्या में साक्षर पुरुष जनसंख्या का प्रतिशत	34.65
13	कुल जनसंख्या में साक्षर महिला जनसंख्या का प्रतिशत	24.74
14	कुल जनसंख्या में कुल मुख्य कार्यकर्ता का प्रतिशत	30.44
15	कुल जनसंख्या में कुल सीमांत कार्यकर्ता का प्रतिशत	16.57
16	कुल जनसंख्या में गैर-कार्यकर्ता का प्रतिशत	53

परियोजना स्थल के 10 किलोमीटर के भीतर कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन, वन्यजीव अभयारण्य, पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र नहीं हैं। संरक्षण योजना अनुमोदन (Conservation plan) फॉर Schedule-I species के लिए PCCF (वन्यजीव) को जमा किया गया है।

3.0 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

- कच्चा माल अयस्क हैंडलिंग के दौरान उत्पन्न होने वाला मुख्य प्रदूषक धूल है।
- कोयला हैंडलिंग के दौरान धूल उत्पादन को कम करने के लिए पानी के छिड़काव का उपयोग किया जाता है।
- धूल उत्पादन को कम करने के लिए गीली धूल दमन प्रणाली स्थापित की गई है।
- सभी बेल्ट कन्वेयर को कवर किया गया है। आंतरिक सङ्कोचों को कंक्रीट किया गया है।

- कार्यशालाओं और अन्य कार्य क्षेत्रों में औद्योगिक वैक्यूम क्लीनर का उपयोग किया जाता है।
- सभी आंतरिक सड़कों की दैनिक सफाई के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जाएंगी।
- कोई औद्योगिक अपशिष्ट जल निर्वहन नहीं होगा क्योंकि संयंत्र को शून्य अपशिष्ट निर्वहन सिद्धांत पर डिज़ाइन किया जाएगा।
- घरेलू अपशिष्ट जल को एसटीपी में उपचारित किया जाएगा और उपचारित पानी का उपयोग सिंचाई के उद्देश्य से किया जाएगा।
- शून्य अपशिष्ट निर्वहन का अभ्यास किया जाएगा।
- 100% अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण किया जाएगा और शून्य निर्वहन की स्थिति बनाए रखी जाएगी।
- कम शोर उत्सर्जित करने वाले संयंत्र और मशीनरी का चयन किया जाएगा। 35.37% भूमि क्षेत्र को ग्रीनबेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। संयंत्र की सीमा पर शोर का स्तर 70 डीबीए से नीचे बनाए रखा जाएगा।
- मौजूदा ट्रक आंदोलन पैटर्न में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किया जाएगा। परिवहन अधिकारियों के परामर्श से उचित यातायात प्रबंधन योजना लागू की जाएगी।

4.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

नियमित पर्यावरण निगरानी करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ (EMC) की स्थापना की जाएगी। निर्धारित कानूनों और मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी की जाएगी। EMC का प्रमुख प्लांट हेड को रिपोर्ट करेगा। EMC में योग्य कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। परिवेशी वायु, स्टैक उत्सर्जन, भगोड़ा धूल उत्सर्जन, शोर स्तर, भूजल गुणवत्ता, सतही जल गुणवत्ता और मिट्टी की पर्यावरण निगरानी मानदंडों के अनुसार की जाएगी। EMC निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा:-

नियमित निगरानी:-

- कार्य वातावरण में अस्थायी उत्सर्जन को मापना, PM2.5 और PM10 को मापना तथा सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई शुरू करने के लिए किसी भी असामान्यता की रिपोर्ट करना।
- क्रशर की हवा के ऊपर और नीचे की दिशा में, प्लांट सीमा पर परिवेशी वायु गुणवत्ता को मापना।
- अपशिष्ट जल की गुणवत्ता (इनलेट और आउटलेट) की जाँच करना।
- परियोजना क्षेत्र और आसपास के गाँवों के पास भूजल की गुणवत्ता की जाँच करना।
- साइट के ऊपर और नीचे की ओर अध्ययन क्षेत्र में मौजूद जल निकाय की जल गुणवत्ता।
- प्लांट सीमा, निकटतम आवास, राजमार्ग के पास और कार्य क्षेत्रों में शोर की निगरानी।
- प्लांट सीमा के भीतर ग्रीनबेल्ट और हरियाली का विकास और रखरखाव।

5.0 अतिरिक्त अध्ययन

परियोजना क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति में आग से निपटने के लिए पर्यास अग्नि शमन उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। किसी भी दुर्घटना के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन योजना तैयार की गई है। सीईआर (कॉरपोरेट पर्यावरणीय उत्तरदायित्व) को सीईआर मानदंडों के अनुसार लागू किया जाएगा। आमतौर पर सीईआर राशि का उपयोग स्थानीय स्कूलों में कक्षाओं का निर्माण, शिक्षण सामग्री प्रदान करने, सामुदायिक केंद्र बनाने, आसपास के गांवों में पेयजल सुविधा विकसित करने, क्षेत्र में वर्षा जल संचयन संरचनाएं जैसे अनिकट और चेक डैम बनाने, और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी ढांचे और उपकरण विकसित करने के लिए किया जाता है।

6.0 परियोजना के लाभ

प्रस्तावित परियोजना से अध्ययन क्षेत्र के भीतर सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह भौतिक बुनियादी सुविधाओं के आगे के विकास सहित इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने में मदद करता है।

संयंत्र सुविधाओं के निर्बाध संचालन और उचित रखरखाव के लिए एक अच्छी तरह से संरचित जनशक्ति आवश्यक है। निर्माण चरण के दौरान लगभग 400-500 लोगों को दैनिक मजदूरी के आधार पर रोजगार मिलेगा। कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल श्रेणी के लिए परिचालन चरण के दौरान लगभग 2600 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। अर्ध-कुशल और अकुशल नौकरियों के लिए स्थानीय लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इस संयंत्र के विकास से और अधिक सहायक विकास की संभावनाएं पैदा होंगी, जिससे राष्ट्र को लाभ होगा।

7.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरणीय प्रभावों के प्रभावी प्रबंधन और उपयुक्त प्रबंधन प्रक्रियाओं के माध्यम से पर्यावरण की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना (EMP) तैयार की गई है। सिफारिश किए गए शमन उपायों को लागू करने और EMP को संस्थागत बनाने के लिए, 62.25 करोड़ रुपये की पूँजीगत व्यय प्रावधान किया गया है, और वार्षिक आवर्ती व्यय 14.72 करोड़ रुपये होगा।

पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ (EMC) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र और जल पुनर्चक्रण प्रणाली प्रभावी ढंग से काम करें। EMC प्रयुक्त तेल, स्नेहक और बैटरियों के निपटान को अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से नियंत्रित करेगा। पौथारोपण निर्माण चरण के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए शुरू किया जाएगा। EMC कच्चे माल, जल

आदि के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और सामाजिक वनीकरण विकास की योजनाएं अपनाएगा। कर्मचारियों के लिए नियमित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्रमिकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। EMC संयंत्र में सफाई और औद्योगिक स्वच्छता सुनिश्चित करेगा। EMC, सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर संयंत्र चालू होने के दौरान संभावित खतरों की पूरी समीक्षा करेगा। यह समीक्षा प्रदूषण शमन, संसाधन संरक्षण, दृष्टिना रोकथाम और अपशिष्ट न्यूनकरण के लिए प्रस्तावित सुरक्षा उपायों को लागू करने को सुनिश्चित करेगी। EMP के कार्यान्वयन से यह सुनिश्चित होगा कि परियोजना के सभी तत्व पूरे जीवनचक्र के दौरान प्रासंगिक पर्यावरण कानूनों का पालन करें।

द्वारा निर्भित:

मे. ग्रास रूट्स रिसर्च एंड क्रिएशन इंडिया (प्रा.) लिमिटेड
(QCI/NABET मान्यता प्राप्त नं. NABET/EIA/24 27/RA 0354)

F-374-375, सेक्टर-63, नोएडा, उत्तर प्रदेश

फोन: 0120-4044630, टेलीफैक्स: 0120-2406519

ईमेल: eia@grc-india.com, grc.enviro@gmail.com

वेबसाइट: <http://www.grc-india.com>

ईमेल: eia@grc-india.com, grc.enviro@gmail.com

वेबसाइट: <http://www.grc-india.com>